आईसीएआर- एनआईएनएफईटी ने 16-22 अगस्त, 2024 के दौरान 19वां पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया

22 अगस्त, 2024, कोलकाता:
आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता ने 16-22 अगस्त 2024 तक 19वें पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया और इसका समन्वय डॉ. तिलक मंडल और डॉ. नीलिमेश मृधा ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, शोधकर्ताओं और आम जनता को पार्थेनियम को नियंत्रित करने और इसके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की प्रभावी रणनीतियों के बारे में शिक्षित करना था।

सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत ICAR-NINFET परिसर में बैनर और पोस्टर लगाने से हुई, जिसमें पार्थेनियम और इसके प्रबंधन के महत्व के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई। पूरे सप्ताह के दौरान, ICAR-NINFET ने हुगली, उत्तर 24 परगना, नादिया और मुर्शिदाबाद में स्थानीय किसान-उत्पादक कंपनियों के साथ मिलकर किसानों के खेतों में सीधे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें लाइव प्रदर्शन और चर्चाएँ शामिल थीं कि इन प्रथाओं को अपनी नियमित कृषि गतिविधियों में कैसे शामिल किया जाए। स्वच्छ भारत पहल के हिस्से के रूप में एक "स्वच्छ अभियान" आयोजित किया गया, जिसमें ICAR-NINFET परिसर के आसपास के क्षेत्रों से पार्थेनियम को भौतिक रूप से हटाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अभियान ने खरपतवार प्रबंधन में स्वच्छता और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

जागरूकता सप्ताह का समापन 22 अगस्त 2024 को एक समापन समारोह के साथ हुआ। क्यूई एंड आई डिवीजन के वैज्ञानिक डॉ. निलिमेश मृधा को इस जागरूकता सप्ताह के महत्व और हमारे संस्थान और किसानों के खेतों में की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रभारी निदेशक डॉ. संजय देबनाथ ने स्वागत भाषण दिया और पार्थेनियम द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। क्यूई एंड आई डिवीजन के प्रमुख और प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अविजित दास ने "पार्थेनियम: समस्याएं और उपचार" प्रस्तुत किया, जिसमें भारत में खरपतवार के प्रसार और उपलब्ध विभिन्न नियंत्रण रणनीतियों का गहन विश्लेषण किया गया। 19वां पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह सफलतापूर्वक व्यापक दर्शकों तक पहुंचा.

ICAR- NINFET celebrated 19th Parthenium Awareness Week during August 16-22, 2024

August 22, 2024, Kolkata:
ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering & Technology, Kolkata organized the 19th Parthenium Awareness Week from 16-22 August 2024 and was coordinated by Dr. Tilak Mondal and Dr. Nilimesh Mridha. The event focused on educating farmers, researchers, and the general public on effective strategies to control Parthenium and mitigate its adverse effects.

The week-long program commenced with the display of banners and posters across the ICAR-NINFET campus, delivering essential information about Parthenium and the significance of its management. Throughout the week, ICAR-NINFET collaborated with local farmer-producer companies in Hooghly, North 24 Parganas, Nadia, and Murshidabad to conduct awareness programs directly in farmers' fields with live demonstrations and discussions on how to incorporate these practices into their regular farming activities. A "Swachh Abhiyan" was organized as part of the Swachh Bharat initiative, focusing on the physical removal of Parthenium from areas around the ICAR-NINFET campus. This campaign highlighted the importance of cleanliness and community involvement in weed management.

The awareness week concluded with a Valedictory Function on 22nd August 2024. Dr. Nilimesh Mridha, Scientist, QE&I Division was elaborated on the importance of this awareness week and activities carried out in our Institute and farmers' fields. Dr. Sanjay Debnath, Director in charge, delivered the welcome address, reaffirming the institute's commitment to addressing the challenges posed by Parthenium and promoting sustainable agricultural practices. Dr. Avijit Das, Head and Principal Scientist, QE&I Division, presented "Parthenium: Problems & Remedies," offering an in-depth analysis of the weed's spread in India and the various control strategies available. The 19th Parthenium Awareness Week successfully reached a wide audience, combining educational programs, practical demonstrations, and community activities to encourage action against this invasive weed. ICAR-NINFET remains committed to continuing its efforts in Parthenium management and supporting sustainable agricultural practices nationwide.

"19th Parthenium Awareness Week"
(16-22 August, 2024)
ICAR-NATIONAL INSTITUTE OF NATURAL FIBRE ENGINEERING & TECHNOLOGY

19वां गाजरघास जागरूकता सप्ताह

"19th Parthenium Awareness Week"

"19th Parthenium Awareness Week"
(16-22 August, 2024)
NINFET